सीखने की राह खोलें...

बढ़ें, चलें...

हिंदी

6

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, केरल
2022

भूमिका

कोविड-19 महामारी के कारण स्कूलों के बंद होने से बच्चे असमान रूप से प्रभावित हुए क्योंकि महामारी के दौरान सभी बच्चों के पास सीखने के लिए ज़रूरी अवसर, साधन या पहुँच नहीं थी। शुरुआती चुनौतियों के बाद नवीनतम तकनीकियों का सहारा लेकर शिक्षा ज़ारी रखने का प्रयास शिक्षा विभाग की ओर से हुआ था। महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा पर अत्यधिक निर्भर होने में हम विवश भी थे। इसी वजह से छात्रों की शिक्षा में अस्थाई तौर पर व्यवधान उत्पन्न हुआ था। यह छात्रों की अधिगम उपलब्धियों में अंतराल उत्पन्न होने का कारण बन गया है।

हम निश्चित रूप से यह मानते आ रहे हैं कि शिक्षकों और छात्रों के बीच आमने-सामने की बातचीत के साथ-साथ कक्षा-कक्ष के भीतर और बाहर छात्रों के बीच आपस में स्वस्थ चर्चा अच्छी पढ़ाई का अभिन्न हिस्सा है। शिक्षण प्रक्रिया में ऑनलाइन शिक्षा मदद तो कर सकती है लेकिन कक्षाई प्रक्रियाओं की जगह नहीं ले सकती। सामाजिक और भावनात्मक पढ़ाई, जैसे- संवेदना, आदर, सहयोग और बातचीत, विवेचनात्मक और रचनात्मक सोच, बहुमुखी दृष्टिकोण आदि आमने-सामने की असली कक्षाई प्रक्रियाओं से ही संभव हैं। मात्रेतर भाषा हिंदी की शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में भी यह शत-प्रतिशत सही है। इस प्रकार की कक्षाई प्रक्रियाओं से वंचित रहने से बच्चों की भाषाई दक्षताओं एवं उसके प्रयोगों में अंतराल नज़र आ रहा है। विशेषकर बातचीत, डायरी लेखन, कविताओं का आशय लेखन, पत्र तैयार करना, लेख तैयार करना आदि में यह अंतराल अधिक मात्रा में मौजूद है। सीखने के इस अंतराल की भरपाई समय की माँग है।

ऐसे में अपने छात्रों को सामाजिक, भावनात्मक समर्थन प्रदान करने और भाषाई दक्षताओं में पीछे छूट जाने की जोखिम झेल रहे छात्रों को विशेष सहायता उपलब्ध कराने जैसी जवाबी कार्रवाई का पहल शिक्षा विभाग ले रहा है। कोविड महामारी से उत्पन्न सीखने के अंतराल से छात्रों को उबारने में, भाषाई दक्षताओं में हुए व्यवधान की भरपाई करने में शिक्षकों की भी अहम भूमिका है।

भरपाई की इस सामग्री में कक्षाई प्रक्रियाओं के कुछ नमूने मात्र हैं। उम्मीद है, अपनी कक्षा की माँग के अनुसार विविधतापूर्ण सामग्रियाँ शिक्षक स्वयं तैयार करेंगे और अधिगम उपलब्धियों की प्राप्ति में व्यवधान महसूस करनेवाले छात्रों की ज़रूरतों की पूर्ति करने में जागरूक रहेंगे। आशा है, यह सामग्री इस प्रक्रिया में शिक्षकों की मददगार रहेगी।

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, केरल

बादलदानी

अधिगम उपलब्धि : विवरण तैयार करता है।

सामग्री

पी.पी.टी. स्लाईड, नुस्खे

प्रक्रियाएँ

अध्यापक स्लाइड दिखाते हैं :

बादल पानी लाता है,
हरियाली छा जाती है।
ताल-तलैया भरता है,
प्रकृति सुंदर बनती है।

अध्यापक कविता का आलाप करते हैं। छात्रों से उचित ताल के साथ आलाप कराते हैं।

अध्यापक पूछते हैं :-

बरसात से जुड़े कौन-कौन से शब्द इसमें हैं?

छात्रों की प्रतिक्रिया के अनुसार पदसूर्य की पूर्ति करें।

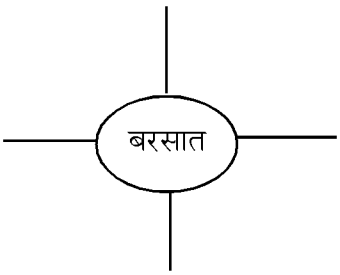

बादल
पानी
ताल-तलैया
हरियाली

पदसूर्य के शब्दों के आधार पर चार दल बनाएँ । अध्यापक दल में विवरण लिखा नुस्खा दें।

कहीं पानी नहीं था। जीव-जंतु दुखी थे। नदी, तालाब आदि सूखे पड़े थे। खेती नहीं, हरियाली नहीं। पानी के लिए सब तड़प रहे थे।

अध्यापक पूछते हैं - जीव-जंतु क्यों दुखी थे?

अगर खेती न हो तो क्या होगा?

(छात्रों की प्रतिक्रिया)

अध्यापक स्लाइड दिखाते हैं और सही वाक्य चुनने का निर्देश देते हैं।

- जीव-जंतु प्यासे थे।
- पानी के अभाव में वे खुश थे।
- सूखे के कारण वे दुखी थे।
- पानी के अभाव में हरियाली नहीं थी।
- पानी के अभाव में हम खेती कर सकते हैं।
- पानी के बिना हम जी सकते हैं।
- पानी जीवन का आधार है।

(छात्रों की प्रतिक्रिया)

अध्यापक सही वाक्य दोहराकर श्यामपट पर लिखें और आशयों को जोड़कर एक खंड बनाएँ।

सूखा था। पानी के अभाव में जीव-जंतु प्यासे थे। हरियाली नहीं थी। खेती नहीं थी। सब दुखी थे। पानी के बिना जी नहीं सकते। पानी जीवन का आधार है।

विवरण पढ़ने का पर्याप्त समय दें।

अध्यापक छात्रों को एक स्लाइड दिखाकर सही वाक्य चुनकर विवरण तैयार करने का निर्देश दें।

बारिश के आने पर खेत सूख जाता है।
बारिश के आने पर खेत में खेती होती है।
वर्षा के समय प्रकृति में हरियाली छा जाती है।
हरियाली के लिए बारिश की आवश्यकता नहीं है।
ताल-तलैया पानी के भंडार हैं।
कुएँ-तालाब आदि का पानी पीने योग्य नहीं है।
बारिश के समय नदियाँ, कुएँ, तालाब आदि भर जाते हैं।
बारिश के समय नदियाँ सूख जाती हैं।

छात्र सही वाक्य चुनकर दलों में विवरण तैयार करें।

अध्यापक दलों में जाकर उचित सहायता करें।

प्रत्येक दल अपनी उपज प्रस्तुत करें।

संशोधन की प्रक्रिया चलाएँ और दलों में इसका परिमार्जन करें।

हिंदुस्तान हमारा

अधिगम उपलब्धि : नारागीत तैयार करता है।

सामग्री

पी.पी.टी. स्लाईड, नुस्खे

प्रक्रियाएँ

यह अनुच्छेद छात्रों को पढ़ने दें :

> भारत की चमक विश्व भर फैली है। सुंदर भौगोलिक झलक, रंग बदलते मौसम, संपन्न संस्कृति आदि इसकी विशेषताएँ हैं। घने पेड़ों से सजे पर्वत, बहती नदियाँ, बारिश, लह-लहाते खेत आदि भी भारत की अपनी विशेषताएँ हैं। यहाँ गर्मी, सर्दी और बारिश आती-जाती हैं। रहन-सहन, वेश-भूषा, खान-पान, भाषा तथा धर्म अलग-अलग होने पर भी भारतवासी एकता के साथ रहते हैं।

बच्चों को वैयक्तिक वाचन का अवसर दें।

ये प्रश्न पूछें :

- यहाँ किस देश के बारे में कहा गया है?
- भारत की चमक कहाँ फैली है?
- यहाँ की भौगोलिक झलक की क्या विशेषता है?
- यहाँ के पर्वत कैसे हैं?
- यहाँ भारत की अपनी कौन-कौन सी विशेषताएँ बताई गई हैं?
- ऋतुओं के रूप में यहाँ कौन-कौन आती जाती हैं?
- रहन-सहन, वेश-भूषा आदि अलग होने पर भी भारतवासी यहाँ कैसे रहते हैं?

अब वर्कशीट की पूर्ति करने को दें :

पाठ-भाग के आधार पर वाक्यांशों को मिलाकर सही वाक्य बनाएँ :

भारत की चमक	सुंदर भौगोलिक स्थिति।
भारत की विशेषताओं में एक है	घने पेड़ों से सजे हैं।
भारत के पर्वत	गर्मी, सर्दी और बारिश आती-जाती हैं।
ऋतुओं के रूप में	विश्व भर फैली है।

यदि छात्र पूरी तरह सही मिलान नहीं कर पा रहे हैं तो वे वाचन सामग्री का पुनः वाचन करें और अध्यापिका एक-दो वाक्यांशों का सही मिलान करके दिखाएँ।

छात्र भारत की कुछ विशेषताएँ भी लिखकर प्रस्तुत करें, जैसे-

- भारत की सुंदर भौगोलिक झलक।
- रंग बदलते मौसम।
- घने पेड़ों से सजे पर्वत।
- बहती नदियाँ।
- लह-लहाते खेत।

पूछें,

बच्चो, अब आप भारत की विशेषताओं से परिचित हो गए हैं न? अब हम ज़रा ये पंक्तियाँ देखें–

भारत है देश हमारा
भारत मेरा प्यारा-प्यारा

पूछें,

- यहाँ किसके बारे में कहा गया है?
- ये पंक्तियाँ ताल-युक्त हैं न?
- साथ ही, पढ़ते वक्त जोश आता है क्या ?
- जानते हैं, ऐसे गीतों को क्या कहते हैं?

संभावित उत्तर (नारागीत) मिलने तक चर्चा चलाएँ।

नारे का अर्थ या मतलब क्या है?

नारेगीतों की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

छात्रों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

छूटी हुई बातों को अध्यापक जोड़ लें और नारे की विशेषताओं का संक्षिप्तीकरण करें।

- संक्षिप्त होना चाहिए।
- तालयुक्त होना चाहिए।
- जोशीला होना चाहिए।

अब छात्र निम्नलिखित वाक्यों से सुंदर नारा गीत बनाएँ।

देश है अपनी जान से प्यारा।
साथ अहिंसा का रखवारा।
प्यारा-प्यारा देश हमारा।
भारत है माता हम सबकी।
मेरा भारत महान है।
प्यारा देश हमारा भारत।
हमारा भारत जान से प्यारा।

चित्रवाचन

अधिगम उपलब्धि : वार्तालाप तैयार करता है।

सामग्री

पी.पी.टी. स्लाईड, चित्र

प्रक्रियाएँ

अध्यापक पन्ना 54 के दादाजी और लड़की से संबंधित चित्र दलों को दें और चित्र के संबंध में प्रश्न पूछें-

चित्र में कौन-कौन हैं?

दादाजी कहाँ बैठे हैं?

लड़की कहाँ जाती है?

दादाजी क्या चाहते हैं?

दादाजी ने पहले किसको पानी दे दिया?

छात्रों की प्रतिक्रियाएँ श्यामपट पर लिखें।

अध्यापक स्लाइड के माध्यम से चार वाक्य दिखाएँ :

लड़की दादाजी को पानी की बोतल देती है।
बाद में दादाजी पानी पीते हैं।
प्यासे दादाजी के पास एक लड़की आती है।
दादाजी पहले मुरझाए पौधे को पानी देते हैं।

छात्र सही वाक्य चित्र के लिए चुनते हैं। दल में प्रस्तुति करते हैं।

अध्यापक स्लाइड के ज़रिए वाक्यों को सही क्रम से दिखाएँ :

प्यासे दादाजी के पास एक लड़की आती है।
लड़की दादाजी को पानी की बोतल देती है।
दादाजी पहले मुरझाए पौधे को पानी देते हैं।
बाद में दादाजी पानी पीते हैं।

दलों में इसका वाचन करने का पर्याप्त समय दें।

अध्यापक स्लाईड दिखाएँ और वाक्यों की सही पूर्ति करने का निर्देश दें।

1. लड़की ..... जाती है। (स्कूल/बाज़ार)
2. दादाजी ..... हैं । (प्यासे/भूखे)
3. लड़की दादाजी को ..... देती है। (पानी/रुपया)
4. दादाजी ..... को पानी देते हैं और स्वयं पानी पीते हैं। (मुरझाए पौधे/ अपने बेटे को)
5. ..... हमारा कर्तव्य है। (दूसरों की सेवा करना/दूसरों को दोष पहुँचाना)

दलों में चर्चा करें और हरेक दल प्रस्तुत करें।

प्रस्तुति के आधार पर अध्यापक विवरण का सही रूप स्लाइड के माध्यम से दिखाएँ।

लड़की स्कूल जाती है। दादाजी प्यासे हैं। लड़की पानी देती है। दादाजी पहले मुरझाए पौधे को पानी देते हैं, फिर पीते हैं। दूसरों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है।

पढ़ने का अवसर दें।

अध्यापक वार्तालाप का अंश लिखे नुस्खे दलों में बाँटें :

नुस्खा -1

लड़की : आप क्या कर रहे हैं दादाजी?

दादाजी : यह पौधा मुरझाया है, यह भी प्यासा है।

नुस्खा -2

लड़की : आपको पहले पानी पीना चाहिए था।

दादाजी : नहीं बेटी,पहले दूसरों की सहायता करनी चाहिए।

नुस्खा -3

लड़की : दादाजी क्या हुआ?

दादाजी : बहुत प्यास लग रही है।

नुस्खा -4

लड़की : यह लीजिए, पानी की बोतल।

दादाजी : शुक्रिया बेटी।

दलों को इसे क्रम से बताने का निर्देश दें।

अध्यापक स्लाइड के ज़रिए वार्तालाप के चारों अंश छात्रों को दिखाते हैं और वार्तालप की पूर्ति करने का निर्देश देते हैं।

लड़की : दादाजी क्या हुआ?

दादाजी : बहुत प्यास लग रही है।

लड़की : यह लीजिए पानी की बोतल।

दादाजी : शुक्रिया बेटी।

लड़की : आप क्या कर रहे हैं दादाजी?

दादाजी : यह पौधा मुरझाया है, यह भी प्यासा है।

लड़की : आपको पहले पानी पीना चाहिए था।

दादाजी : नहीं बेटी, पहले दूसरों की सहायता करनी चाहिए।

दल में वार्तालाप की पूर्ति करें। अध्यापक आवश्यक सहायता करें।

हरेक दल को प्रस्तुति का अवसर दें।

दलों में परिमार्जन करने का भी अवसर दें।

अध्यापक संशोधन कार्य भी चलाएँ।

नन्हा उल्लू

अधिगम उपलब्धि : डायरी तैयार करता है।

सामग्री

पी.पी.टी. स्लाईड, चित्र

प्रक्रियाएँ

अध्यापक स्लाइड के माध्यम से 'नन्हा उल्लू' कहानी का सारांश दिखाता है।

नन्हा उल्लू

नन्हा उल्लू दो साल का हो गया। वह हमेशा अम्मा से प्रश्न करता था। आसमान में कितने तारे हैं? अम्मा ने कहा - गिनकर देखो। लेकिन वह इतने तारे कैसे गिन सकता था। इसी तरह के प्रश्न वह पूछता रहा। आसमान कितना ऊँचा है? समुद्र में कितनी लहरें हैं? अंत में उसे लगा कि माँ का प्यार भी आसमान की तरह ऊँचा है और समुद्र की तरह गहरा है। वह अम्मा के गले लग गया।

अध्यापक प्रश्न पूछता है-

- कहानी का नाम क्या है?
- कहानी में कौन-कौन से पात्र हैं?
- नन्हे उल्लू ने माँ से क्या-क्या प्रश्न पूछे?

(छात्रों की प्रतिक्रिया)

अध्यापक छात्रों को वर्कशीट दें। कहानी के आधार पर नीचे लिखे वाक्यों को सही/गलत लगाने का निर्देश दें और अगर गलत है तो उसे ठीक करके प्रस्तुत करने को कहें।

1. कहानी का नाम 'नन्हा उल्लू' है। ☐
2. नन्हा उल्लू माँ से प्रश्न करता है। ☐
3. नन्हा उल्लू माँ से दूर रहना चाहता है। ☐
4. नन्हा उल्लू माँ का प्यार समझता है। ☐
5. अम्मा उल्लू प्रश्नों के उत्तर नहीं देती है। ☐
6. नन्हे उल्लू को लगा कि माँ का प्यार बहुत गहरा है। ☐

(छात्रों की प्रतिक्रिया)

यह वर्कशीट दें और नन्हे उल्लू के विचारों को चुनकर वर्कशीट की पूर्ति करने को कहें :

- आज मुझे लगा कि अम्मा मुझे बहुत प्यार करती है।
- मेरी माँ कितनी प्यारी है!
- अम्मा मुझसे नाराज़ है।
- अम्मा मेरे लिए सब कुछ करती है।
- मेरे सारे प्रश्नों के उत्तर की ओर अम्मा मुझे ले जाती है।
- अम्मा मेरे प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं देती।

- आज प्यार से मैं अम्मा के गले लग गया।
- मेरी अम्मा का प्यार आसमान की तरह ऊँचा है और समुद्र की तरह गहरा है।

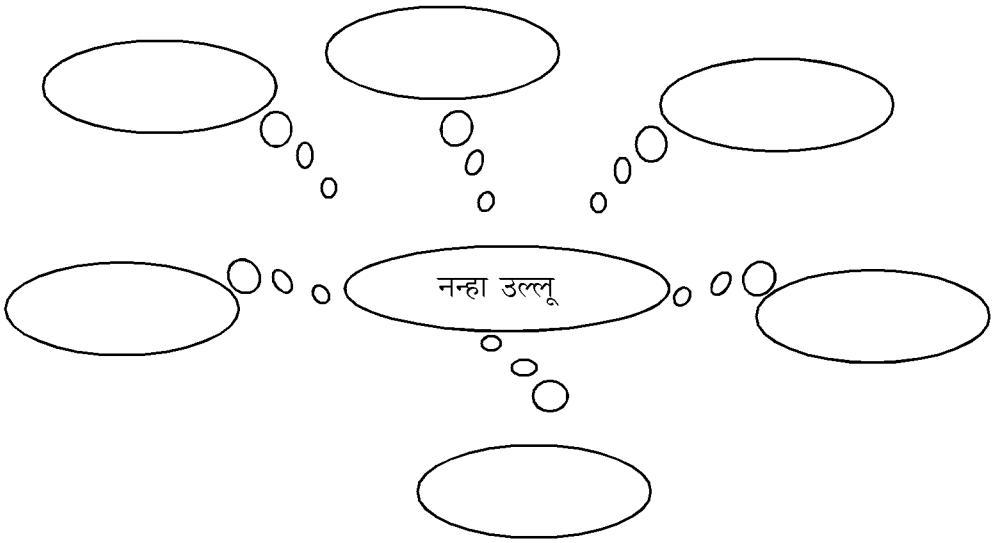

वैयक्तिक रूप से वर्कशीट की पूर्ति करवाएँ।

चुनिंदे छात्र प्रस्तुत करें।

दल में चर्चा करके परिमार्जन करने का मौका दें।

अब नन्हे ऊल्लू के विचारों को जोड़कर उसकी डायरी तैयार करने का निर्देश दें।

दो-एक प्रस्तुतीकरण हो जाए।

अब डायरी की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ :

- नन्हे उल्लू के सोच-विचार क्या-क्या हैं?
- उसकी सोच में कौन-कौन सी बातों का उल्लेख है?
- इन वाक्यों में 'नन्हा उल्लू' के स्थान पर किन-किन शब्दों का प्रयोग किया गया है?
- इनमें कौन-से वाक्य आपको नन्हे उल्लू के संबंध में विशेष लगे?
- तो डायरी लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?

चर्चा के दौरान संक्षिप्तीकरण करें।

छात्र वैयक्तिक रूप से परिमार्जन करके लिखें।

चुनिंदे छात्र प्रस्तुत करें।

दलों में परिमार्जन का अवसर दें।

दलों की प्रस्तुति हो जाए।

ध्यान दें :

डायरी में मुख्य घटनाओं का उल्लेख हो।

घटनाओं पर लिखनेवाले के भाव एवं विचार भी व्यक्त हों।

मैं, मेरा, मुझे जैसे शब्दों का प्रयोग हो।

दिलचस्प शब्दों का प्रयोग भी हों।

तारीख, दिन आदि भी लिखें।

मार्च

अधिगम उपलब्धि : संस्मरणात्मक लेख पढ़कर पत्र तैयार करता है।

सामग्री

पी.पी.टी. स्लाईड, चित्र

प्रक्रियाएँ

अध्यापक 'मार्च' संस्मरणात्मक लेख से संबंधित निम्न लिखित वाक्य पढ़ने का अवसर छात्रों को दें :

- परीक्षा के दिन हैं।
- हाथों में किताब और आँखों में नींद।
- तब आँखें बंद करके पढ़ने की इच्छा।
- लेखक के घर के सामने नीम का पेड़।
- उस पेड़ की टहनियों से गिलहरियाँ और कौए लेखक के घर में आते थे।
- लेखक उस नीम के पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ते थे।
- पढ़ते समय नीम की पीली पत्तियाँ किताब पर गिरती थीं।
- लेखक को आश्चर्य होता था कि हरी पत्ती कैसे पीली हो गई।
- हवा आकर पीली पत्ती को उड़ा लेती थी और किताब के पन्नों को फड़फड़ा देती थी।

अध्यापक प्रश्न करें :

- लेखक के घर के सामने कौन-सा पेड़ था?
- पेड़ में कौन-कौन-से जीव थे?
- वे लेखक के घर में कैसे आते थे?
- लेखक कहाँ बैठकर पढ़ते थे?
- नीम की पत्तियाँ कहाँ पर गिरती थीं?
- लेखक को किस बात पर आश्चर्य होता था?
- हवा आकर क्या-क्या करती थी?

छात्रों के सामने यह वर्कशीट प्रस्तुत करें। वे आशय समझकर सही मिलान करें।

हाथों में किताब	पीली पत्तियाँ गिरतीं।
नीम के पेड़ से	पन्नों को फड़फड़ा देती।
गिलहरियाँ और कौए	और आँखों में नींद।
हवा आकर	घर में आते रहते।

अध्यापक आवश्यक मदद दें, चर्चा चलाएँ और सुधारकर लिखने का अवसर दें।

पूछें, यहाँ लेखक नीम के पेड़ की क्या-क्या विशेषताएँ बताते हैं?

अब खंभे से उचित वाक्यांश चुनकर पदसूर्य की पूर्ति करने का निर्देश छात्रों को दें।

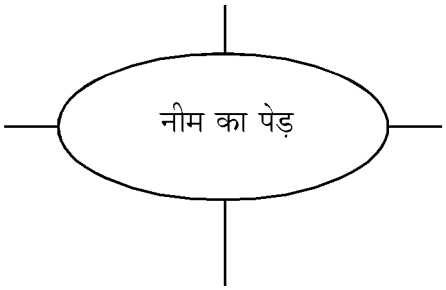

- गिलहरियाँ और कौए
- पीली पत्तियाँ
- घर से दूर
- घर के सामने
- नीचे बैठकर लेखक की पढ़ाई
- पेड़ पर बैठकर लेखक की पढ़ाई

छात्र वैयक्तिक रूप से लिखें और प्रस्तुत करें।

चर्चा के ज़रिए परिमार्जन का अवसर भी दें।

पूछें, यहाँ लेखक ने अपने कुछ अनुभवों के बारे में बताया है। क्या आपको भी इस तरह का अनुभव है?

छात्रों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

- मार्च परीक्षाओं का महीना
- पुस्तक हाथ में लेते ही नींद
- आँखें बंद करके पढ़ाई

बच्चो, यहाँ लेखक कौन हैं?

इस लेख में सुशील शुक्ल जी ने अपने कुछ अनुभवों का वर्णन संस्मरण के रूप में लिखा है।

तो इस प्रकार के लेख को क्या कहते हैं?

यदि हम भी अपने कुछ अनुभव लेखक को बताना चाहते हैं तो क्या करेंगे?

बच्चों को प्रतिक्रिया करने का पर्याप्त अवसर दें।

लेखक के नाम एक खत लिखना है, तो कैसे लिखेंगे?

खत लिखते समय हमें किन-किन बातों पर ध्यान देना है?

छात्र हाँ या नहीं में उत्तर दें।

खत में स्थान लिखना है।	हाँ	नहीं
तारीख लिखनी है।	हाँ	नहीं
संबोधन लिखना है।	हाँ	नहीं
लिखनेवाले का नाम, पता और हस्ताक्षर लिखने हैं।	हाँ	नहीं
जिसको भेजना है, उसका नाम और पता लिखने हैं।	हाँ	नहीं

अध्यापक चर्चा चलाएँ और छात्रों को खत के एक प्रारूप तक ले जाएँ।

स्थान .....

तारीख .....

प्रिय सुशील शुक्ल जी,

नमस्कार। .....

.....

.....

आपका/आपकी

.....

(हस्ताक्षर)

नाम .....

छात्र निम्नलिखित वाक्य पढ़कर आशय समझकर उचित क्रम से लिखकर खत की पूर्ति करें।

- किताब खोलते ही नींद भी आ जाती है।
- मैं भी यहाँ एक पेड़ के नीचे बैठकर खुशी से पढ़ना चाहता हूँ।
- आपसे मिलने की आशा के साथ...
- आपका संस्मरण 'मार्च' बहुत अच्छा लगा।
- आपका यह अनुभव मुझे भी है।
- मार्च परीक्षाओं का महीना है।
- नीम के पेड़ के नीचे की आपकी पढ़ाई भी मुझे अच्छी लगी।